विभागीय स्थायीकरण परीक्षा

फरवरी, 2012

लेखा कार्यविधि

समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 100**

अनुमत पुस्तिका: "सिविल लेखा नियम पुस्तिका"

टिप्पणी :
1. इस प्रश्न पत्र में 2 पृष्ठ तथा 8 प्रश्न हैं।
2. प्रश्न संख्या **1 अनिवार्य** है तथा **शेष में से किन्हीं 5** प्रश्नों के उत्तर दें।
3. अपने उत्तर के समर्थन में नियमों का उल्लेख करें।

प्र.सं.1 : निम्नलिखित कथनों को **सही या गलत** बताएं। कृपया अपने उत्तरों के समर्थन में प्राधिकार का उल्लेख करें।

(क) एक ही सरकार के भीतर एक विभाग दूसरे विभाग को सहायता अनुदान दे सकता हैं ।

(ख) पुदुचेरी (संघ राज्य-क्षेत्र) की सरकार का बैंकिंग व्यवसाय भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा चलाया जाता है।

(ग) मुख्य शीर्ष 8670 - चेक तथा बिल - भुगतान और लेखा कार्यालय चेक के अंतर्गत बकाया राशि भुगतान और लेखा कार्यालय द्वारा जारी किए गए परन्तु प्रत्यायित बैंक द्वारा भुगतान न किए गए चेकों की परिचायक है।

(घ) पूर्ति तथा ब्रिपटान महानिदेशालय के माध्यम से सामानों की पूर्ति के लिए रेल मंत्रालय की ओर से भुगतान और लेखा कार्यालय द्वारा किया गया भुगतान अंतिम मौद्रिक निपटान के लिए भुगतान और लेखा कार्यालय (पूर्ति) द्वारा मुख्य शीर्ष 8658 - उचंत लेखा - भुगतान और लेखा कार्यालय (पूर्ति) के अंतर्गत दर्ज किया जाता है।

(ङ) बैंक की केंद्र बिंदु शाखा से प्राप्त प्राप्ति स्क्रोल की राशि मुख्य शीर्ष 8658 - उचंत लेखा के नीचे लघु शीर्ष सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक उचंत/अन्य नामित बैंक उचंत के नामे दर्ज की जाती हैं।

(च) भुगतान और लेखा कार्यालय द्वारा जारी चेकों को यदि अगले वित्तीय वर्ष 1 अप्रैल को या उसके बाद भुगतान के लिए प्रस्तुत किया जाता है तो उनका भुगतान (उनकी वैधता की अवधि के भीतर) उस वित्तीय वर्ष के साख-पत्र के अंतर्गत नहीं किया जा सकता जिसमें वे जारी किए गए थे।

(छ) अपने अधिकारियों और कर्मचारियों से संबंधित गृह निर्माण अग्रिम के भुगतान संबंधी बिलों की अदायगी चेक आहरणकर्ता आहरण और संवितरण अधिकारी द्वारा की जा सकती है।

(ज) अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों से संबंधित सामान्य भविष्य निधि की वसूलियों को अंतिम रूप से उस भुगतान और लेखा अधिकारी द्वारा मुख्य शीर्ष 8009 - राज्य भविष्य निधि के अंतर्गत समायोजित किया जाता है जिसकी बहियों में ऐसी वसूलियां शुरू की जाती हैं।

(झ) प्रधान लेखा कार्यालय द्वारा जर्नल प्रविष्टियां महालेखा नियंत्रक कार्यालय को केंद्रीय लेनदेन विवरण प्रस्तुत किए जाने से पूर्व तैयार की जाती हैं।

(ञ) मुख्य शीर्ष 8658 - उचंत लेखा के नीचे लघु शीर्ष पीएसबी/ओएनबी उचंत के अंतर्गत समायोजित राशियां भारतीय रिजर्व बैंक से प्राप्त मासिक विवरण के आधार पर प्रधान लेखा कार्यालय द्वारा समाशोधित की जाती हैं (20 अंक)

प्र.सं.2(क) गुम हुए चेक के बदले में नया चेक जारी करने के लिए भुगतान और लेखा कार्यालय द्वारा अपनाई जाने वाली क्रियाविधि का वर्णन कीजिए। (8 अंक)

(ख) (i) भुगतान और लेखा कार्यालय द्वारा पारित न किए गए बिल को लौटाने की क्रियाविधि क्या है? (4 अंक)

(ii) सामान्य नियम के रूप में लेखा प्रणाली के विभागीकरण में सभी प्रकार के भुगतान, भुगतान और लेखा कार्यालयों द्वारा पूर्व-जांच के पश्चात ही किए जाने अपेक्षित होते हैं। इस नियम के अपवाद क्या हैं? (4 अंक)

प्र.सं.3(क) भुगतान और लेखा कार्यालय (पूर्ति) द्वारा राज्य सरकार/रेलवे/रक्षा/डाक लेखा अधिकारियों के विरूद्ध गलती से भेजे गए परंतु उनके द्वारा अस्वीकृत दावों के निपटान की क्रियाविधि का वर्णन कीजिए। उन लेखा समायोजनों का उल्लेख कीजिए जो भुगतान और लेखा कार्यालय (पूर्ति) की बहियों में किए जाने अपेक्षित होते हैं। (8 अंक)

(ख) भुगतान और लेखा कार्यालय की बहियों में समायोज्य अन्य सरकारों/विभागों के लेखा अधिकारियों की बहियों से उत्पन्न होने वाले लेनदेनों का नकदीनिपटान आधार पर निपटान करने की क्रियाविधि का वर्णन कीजिए। (8 अंक)

प्र.सं.4(क) उन अनिवार्य शर्तों का उल्लेख कीजिए जो भारत की समेकित निधि में से भुगतान करते समय भुगतान और लेखा अधिकारियों द्वारा ध्यान में रखी जाने के लिए अपेक्षित होती हैं। (8 अंक)

.....2/-

(ख) आहरण और संवितरण अधिकारियों द्वारा भुगतान के लिए प्रस्तुत किए गए स्थापना भुगतान बिलों के संबंध में भुगतान और लेखा अधिकारियों द्वारा की जाने वाली विभिन्न जांचों का वर्णन कीजिए। (8 अंक)

प्र.सं.5(क) उन विभिन्न जांचों का वर्णन कीजिए जो भुगतान और लेखा कार्यालयों की लेखा परीक्षा करते समय आंतरिक लेखा परीक्षा दलों द्वारा की जानी अपेक्षित होती हैं। (8 अंक)

(ख) पूंजीगत और राजस्व के बीच व्यय के आबंटन को शासित करने वाली शर्तों का वर्णन कीजिए। (8 अंक)

प्र.सं.6(क) विभागीकृत लेखा प्रणाली के अंतर्गत, प्रत्येक मंत्रालय का सचिव मुख्य लेखा प्राधिकारी के रूप में कार्य करता है और वह अपने मंत्रालय द्वारा संचालित अनुदानों/विनियोग के शीर्षवार विनियोग लेखों को अंतिम रूप से अनुमोदन प्रदान करने और उन पर हस्ताक्षर करने के लिए उत्तरदायी होता है। इससे संबंधित अपवादों का उल्लेख कीजिए। (8 अंक)

(ख) संविदाओं, क्रयादेशों और करारों आदि अंतर्गत भंडारों की पूर्ति संबंधी बिलों पर कार्रवाई करते समय की जाने वाली जांचों का वर्णन कीजिए। (8 अंक)

प्र.सं.7 निम्नलिखित पर टिप्पणी कीजिए :

(क) मार्च माह के बाहरी वेतन बिलों की अदायगी करने के बाद, इस संबंध में निवल नामे भुगतान और लेखा अधिकारी द्वारा मुख्य शीर्ष 8658 - उचंत लेखा - मार्च माह का बाहरी वेतन बिल के अंतर्गत दर्ज किया गया था। इस संबंध में, अगले वित्तीय वर्ष के दौरान अप्रैल माह के लेखों में लेखा समायोजन करते समय निवल राशि को उपर्युक्त उचंत शीर्ष को प्रतिपक्षी (-) नामे दर्ज करके अंतिम लेखा शीर्ष के अंतर्गत समायोजित किया गया था। (4 अंक)

(ख) भारतीय रिजर्व बैंक, नागपुर के चैनल के माध्यम से पंजाब की सरकार को सहायता अनुदान की अदायगी की व्यवस्था करते समय, प्रधान लेखा अधिकारी ने इस राशि का समायोजन मुख्य शीर्ष 8670 - चेक और बिल के नीचे लघु शीर्ष भुगतान और लेखा अधिकारी को प्रतिपक्षी जमा द्वारा अंतिम लेखा शीर्ष को नामे दर्ज करके किया। (4 अंक)

(ग) एक भुगतान और लेखा अधिकारी के लेखा अधिकार क्षेत्र में कार्यरत एक कर्मचारी के गृह निर्माण अग्रिम शेषों के अंतरण संबंधी नामे को स्वीकार करते समय उसने नामे को 7610 - सरकारी कर्मचारियों को कर्ज - गृह निर्माण अग्रिम को (-) जमा के रूप में समायोजित करके अंतरणकर्ता भुगतान और लेखा अधिकारी को इस राशि का भुगतान किया। (4 अंक)

(घ) चेक आहरणकर्ता आहरण और संवितरण अधिकारी के पक्ष में वित्तीय वर्ष की प्रथम तिमाही के लिए साख-पत्र जारी करते समय भुगतान और लेखा अधिकारी ने बैंक को परामर्श दिया कि पिछले वित्तीय वर्ष की 31 मार्च की स्थिति के अनुसार साख-पत्र में से अव्ययित शेष को आगे ले जाया जाए। (4 अंक)

प्र.सं.8 निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :-

(क) लुप्त जमाओं/नामे का रजिस्टर
(ख) लेखा अधिकारी का जांच रजिस्टर
(ग) प्रोफार्मा संशोधन
(घ) समेकित सार (4X4=16 अंक)

विभागीय स्थायीकरण परीक्षा

फरवरी, 2012

सार लेखन, मसौदा एवं व्याकरण

समय : 3 घंटे अधिकतम अंक : 100

टिप्पणी : इस प्रश्न पत्र में 2 पृष्ठ तथा 7 प्रश्न हैं।

प्रश्न सं0 1 निम्नलिखित लेखांश का सार लिखिए और उसे उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

आज, भारत विश्व में सर्वाधिक प्रभावशाली उभरते बाजारों में से एक है। कुशल प्रबंधकीय और तकनीकी जनशक्ति जो विश्व में सर्वोत्तम उपलब्ध की बराबरी की है और मध्यम वर्ग जिसका आकार यूएसए या यूरोपीय संघ की जनसंख्या से अधिक है, भारत को वैश्विक स्पर्धा में विशिष्ट बनाते हैं। भारत द्वारा हाल में की गई आर्थिक प्रगति में वैश्वीकरण की प्रक्रिया अभिन्न अंग रही है। वैश्वीकरण ने निर्यातोन्मुख विकास में मुख्य भूमिका निभाई है जिसके परिणामस्वरूप भारत में नौकरी का बाजार बढ़ा है। भारत में वैश्वीकरण के मुख्य बलों में से एक बहि:स्रोत आईटी और व्यवसाय प्रक्रिया बहि:स्रोतन सेवाएं रहा है। हाल के वर्षों में भारत में जिन अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों ने अच्छी सेवाएं दी हैं उनमें पैप्सी, कोकाकोला, मैक्डोनाल्ड्स और केंटुकी फ्राइड चिकन शामिल है जिनके उत्पादों को अधिकांश भारतीयों ने भलीभांति अपनाया है। भारतीय कंपनियां तेजी से विश्वास प्राप्त करती जा रही हैं और वे अंतर्राष्ट्रीय विस्तार के माध्यम से वैश्वीकरण में अब वे स्वयं प्रमुख भूमिका निभा रही हैं। इस्पात से लेकर बालीवुड तक, कारों से लेकर आईटी तक, भारतीय कंपनियां भविष्य की वैश्विक अर्थव्यवस्था के शक्तिकेंद्रों के रूप में स्वयं को स्थापित कर रही हैं। विश्व अब पहले की अपेक्षा कहीं अधिक एक दूसरे पर निर्भर है। बहुराष्ट्रीय कंपनियां कई देशों में अपने उत्पादों का विनिर्माण करती हैं और उन्हें पूरे विश्व में उपभोक्ताओं को बेचती हैं। मुद्रा, प्रौद्योगिकी और कच्चे माल ने अंतर्राष्ट्रीय अवरोध को तोड़ दिया है। न केवल उत्पादों और वित्त साधन ने बल्कि विचारों और संस्कृतियों ने राष्ट्रीय सीमाओं को नष्ट कर दिया है।

कानून, अर्थव्यवस्थाएं और सामाजिक आंदोलन स्वरूपत: अंतर्राष्ट्रीय बन गए हैं और न केवल अर्थव्यवस्था का वैश्वीकरण बल्कि राजनीति, संस्कृति और कानून का वैश्वीकरण आज की जरूरत बन चुके हैं। जीएटीटी और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की स्थापना और मुक्त व्यापार की संकल्पना ने वैश्वीकरण की प्रक्रिया को तेज किया है।

वैश्वीकरण की खूबियां इस प्रकार हैं (क) कंपनियों के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय बाजार है और उपभोक्ताओं के लिए बड़ी संख्या में विविध प्रकार के उत्पाद चयन के लिए उपलब्ध हैं (ख) विकसित देशों से विकासशील देशों में निवेशों के प्रवाह में वृद्धि, जिसका उपयोग आर्थिक पुनर्निर्माण के लिए किया जा सकता है (ग) देशों के बीच सूचना का अधिक मात्रा में तेजी से प्रवाह और अधिक मात्रा में पारस्परिक सांस्कृतिक प्रभाव से सांस्कृतिक बाधाओं पर विजय पाने में सहायता मिली है (घ) प्रौद्योगिकीय विकास के परिणामस्वरूप विकासशील देशों में विपरीत प्रतिभा पलायन होने लग गया है।

वैश्वीकरण के दोष इस प्रकार हैं (क) विकासशील देशों में बाहरी स्रोतों से कार्य कराने से विकसित देशों में नौकरियों में कमी आई है (ख) संचारी रोगों के फैलने का अधिक खतरा है (ग) बहुराष्ट्रीय निगमों के अत्यंत शक्तिशाली होने से विश्व पर शासन करने के खतरे की आशंका है (घ) प्राप्तकर्ता के रूप में छोटे विकासशील देशों को यह अप्रत्यक्ष रूप से सूक्ष्म उपनिवेश बना लिए जाने का कारण बन सकता हैं। (40 अंक)

प्र.सं.2 प्रधान लेखा कार्यालय की ओर से मंत्रालय के सभी भुगतान और लेखा अधिकारियों को भेजे जाने वाले कार्यालय ज्ञापन का प्रारूप तैयार कीजिए जिसमें निम्नलिखित अनुरोध किया गया हो :

(i) अपने कार्यालयों में बेहतर अवसंरचना की आवश्यकता का अनुमान लगाना और तदनुसार अपनी जरूरत प्रधान लेखा कार्यालय को प्रस्तुत किया जाना।

(ii) अपने कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण की आवश्यकता का अनुमान लगाना और तदनुसार अपनी जरूरत प्रधान लेखा कार्यालय को प्रस्तुत किया जाना। (20 अंक)

प्र.सं.3 निम्नलिखित मुहावरों में से **किन्हीं पांच** मुहावरों का अर्थ स्पष्ट करते हुए वाक्यों में प्रयोग करें:-

(1) आड़े हाथों लेना (2) खटाई में पड़ना
(3) डकार जाना (4) डूबते को तिनके का सहारा होना
(5) नाक रगड़ना (6) पत्थर की लकीर
(7) पगड़ी उछालना

(10 अंक)

प्र.सं.4 निम्नलिखित में से **किन्हीं पांच** के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखें:-

(1) सुंदर (2) बुद्धि (3) अरण्य (4) इच्छा
(5) कपड़ा (6) कौशल (7) गंगा (10 अंक)

प्र.सं.5 निम्नलिखित में से **किन्हीं पांच** शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखें:-

(1) उत्तीर्ण (2) कृश (3) कृतज्ञ (4) निंदा
(5) पुरस्कार (6) यश (7) सक्रिय

(5 अंक)

प्र.सं.6 निम्नलिखित में से **किन्हीं पांच** के अनेकार्थी शब्दों के दो-दो अर्थ लिखें:-

(1) कल (2) गुरू (3) पद
(4) पत्र (5) मुद्रा (6) हल (7) आम

(10 अंक)

प्र.सं.7 निम्नलिखित शब्द समूह में से **किन्हीं पांच** के स्थान पर एक-एक शब्द लिखें:-

(1) जो कानून के विरूद्ध हो (2) बिना वेतन के काम करने वाला
(3) जिस पर अभियोग लगाया गया हो (4) दूसरे देश से मंगाया जाना
(5) नीचे लिखा हुआ (6) किसी विषय का विशेष ज्ञान रखने वाला
(7) दूसरों के काम में हाथ डालना (5 अंक)

विभागीय स्थायीकरण परीक्षा
जुलाई, 2012
लेखा कार्यविधि

समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक: 100**

अनुमत पुस्तिका: ''सिविल लेखा नियम पुस्तिका''

टिप्पणी :
1. इस प्रश्न पत्र में 2 पृष्ठ तथा 8 प्रश्न हैं।
2. प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है तथा शेष में से किन्हीं 5 प्रश्नों के उत्तर दें।
3. अपने उत्तर के समर्थन में नियमों का उल्लेख करें।

प्र.सं.1(क) निम्नलिखित कथनों को **सही या गलत** बताएं। कृपया अपने उत्तरों के समर्थन में प्राधिकार का उल्लेख करें।

(i) सिक्किम की सरकार को अब सहायता अनुदान की अदायगी भारतीय रिजर्व बैंक, नागपुर को सूचना जारी करके की जा सकती है।

(ii) प्रदत्त चेक और प्राप्ति चालान सहित अदायगी और प्राप्ति स्क्राल भुगतान करने वाली शाखा द्वारा सीधे भुगतान और लेखा कार्यालय को भेजे जाते हैं ताकि उन्हें मासिक लेखा में समायोजित किया जा सके।

(iii) महीने के दौरान प्राप्त प्राप्ति स्क्रालों की कुल राशि मुख्य शीर्ष 8658- उचंत लेखा, 108- सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक उचंत के नामे एवं संबंधित लेखा शीर्षों को प्रतिपक्षी जमा/ऋणात्मक नामे द्वारा दर्ज की जाती है।

(iv) त्योहार अग्रिम की अदायगी मुख्य शीर्ष 7610- सरकारी कर्मचारियों को कर्ज के नामे की जाती है।

(v) भुगतान और लेखा कार्यालय (पूर्ति) द्वारा रेलवे की तरफ से विभिन्न पूर्तिकर्त्ताओं को भंडारों की पूर्ति के लिए की गई अदायगी भुगतान और लेखा कार्यालय (पूर्ति) द्वारा अंतिम मौद्रिक निपटान करने के लिए शुरूआत में अपने लेखों में मुख्य शीर्ष 8658- उचंत लेखा, 101- वेतन और लेखा उचंत के अंतर्गत दर्ज की जाती है।

(5X2=10 अंक)

(ख) रिक्त स्थान भरें।

(i) मुख्य शीर्ष 8670-चेक और बिल के अंतर्गत प्रगामी शेष ----------को दर्शाता है।

(ii) ''ओएनबीएस'' से तात्पर्य ----------है।

(iii) जर्नल प्रविष्टि ---- की अशुद्धि ठीक करने के लिए ------- द्वारा तैयार की जाती है।

(iv) अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह प्रशासन की अनुदान के संबंध में शीर्षवार विनियोग लेखा का चतुर्थ और अंतिम चरण --- द्वारा हस्ताक्षर किया जाता है।

(v) राज्य सरकारों को सहायता अनुदान की अदायगी के संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक (सीएएस), नागपुर से समाशोधन मेमो प्राप्त होने पर, उसमें उल्लिखित राशि प्रतिपक्षी ---- द्वारा ----- के रूप में समायोजित की जाती है। (5X2=10 अंक)

प्र.सं. 2(क) अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों से संबंधित वसूलियों और अदायगियों का अंतरण संबंधित लेखा अधिकारियों को किए जाने की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए। (8 अंक)

(ख) राज्य सरकारों को भारतीय रिजर्व बैंक (सीएएस), नागपुर के माध्यम से सहायता अनुदान की अदायगी किए जाने की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए। यह सिक्किम की सरकार को सहायता अनुदान की अदायगी किए जाने से किस प्रकार भिन्न है। (8 अंक)

प्र.सं.3 निम्नलिखित पर टिप्पणी कीजिएं:

(क)अपने बाह्य दावे के निपटान में चेक/डिमांड ड्राफ्ट की प्राप्ति पर, भुगतान और लेखा कार्यालय ने राशि मुख्य शीर्ष 8658- उचंत लेखा के नीचे लघु शीर्ष 101- पी एंड ए ओ उचंत को जमा कर दी।

(ख) 'अन्य' श्रेणी के अंतर्गत आने वाले अभिदाता के संबंध में आंशिक अंतिम निकासी का बिल चेक आहरणकर्ता आहरण और संवितरण अधिकारी द्वारा अपने चेक आहरण शक्तियों के अंतर्गत भुगतान किया गया

(ग) मासिक निष्पादित राशि का विवरण/विवरण सीएएस-122 के आधार पर, प्रधान लेखा कार्यालय ने संबंधित भुगतान और लेखा कार्यालयों को इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि विवरण में उल्लिखित लेनदेन उनसे संबंधित है आवश्यक लेखांकन समायोजन करने की सलाह दी।

(घ) मंत्रालय के प्रधान लेखा कार्यालय ने भारतीय रिजर्व बैंक, केंद्रीय लेखा अनुभाग, नागपुर को जम्मू एवं कश्मीर राज्य और संघ राज्य क्षेत्र पुदुचेरी को सहायता अनुदान की अदायगी का प्रबंध करने की सलाह दी। (4X4=16 अंक)

प्र.सं.4(क) विशेष पुलिस स्थापना को अन्वेषण के लिए अपेक्षित लेखों से संबंधित मूल दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए विभागीकृत लेखाकरण संगठन द्वारा अपनाई जाने वाली प्रक्रिया का वर्णन कीजिए। (8 अंक)

(ख) संविदाओं की जांच करते समय भुगतान और लेखा अधिकारियों द्वारा ध्यान में रखने वाले कौन-कौन से विशिष्ट बिंदु हैं। (8 अंक)

प्र.सं.5 प्रधान लेखा कार्यालय/भुगतान और लेखा कार्यालय को निम्नलिखित तरह के मामलों मे क्या कार्रवाई करने की आवश्यकता होती है :-

(i) केंद्रीय लोक निर्माण विभाग के माध्यम से कुछ लघु कार्य के कार्यान्वयन के लिए मंत्रालय से वित्तीय मंजूरी प्रधान लेखा कार्यालय में प्राप्त हुई।

(ii) मंत्रालय ने हरियाणा सरकार को 8.00 करोड़ रु. की अनुदान सहायता की अदायगी के लिए प्रधान लेखा कार्यालय को मंजूरी भेजी है।

(iii) प्रधान लेखा कार्यालय में विवरण सीएएस-122 प्राप्त हुआ है।

(iv) 80.00 लाख रु. के भंडारों की पूर्ति के संबंध में दावा भुगतान और लेखा कार्यालय, वाणिज्य विभाग (पूर्ति प्रभाग) में प्राप्त हुआ है जिसे दक्षिण रेलवे ने इस आधार पर अस्वीकार किया था कि वह रक्षा मंत्रालय से संबंधित है। (4X4=16 अंक)

प्र.सं. 6(क) मुख्य लेखा नियंत्रक के नए चार्टर के अनुसार आंतरिक लेखा परीक्षा के क्या काम हैं? (8 अंक)

(ख) आकस्मिक व्यय के विभिन्न श्रेणियों का वर्णन कीजिए। (8 अंक)

प्र.सं.7 (क) 'नई सेवाएं/सेवाओं के नए यंत्र' के रूप में अर्हक व्यय के लिए अनुपूरक अनुदान प्राप्त करने के लिए परिस्थितियों को बताएं। (8 अंक)

(ख) आंतरिक लेखा परीक्षा दलों को चेक आहरण/गैर चेक आहरणकर्ता आहरण और संवितरण अधिकारियों की लेखा परीक्षा करते समय क्या-क्या जांच करने की आवश्यकता है? (8 अंक)

प्र.सं.8(क) भुगतान और लेखा कार्यालय को प्रत्यायित बैंक की केंद्र बिंदु शाखा से अन्य दस्तावेजों के साथ मुख्य स्क्राल की प्राप्ति पर क्या-क्या जांच करने की आवश्यकता होती है? (8 अंक)

(ख) निम्नलिखित स्पस्ट कीजिए।

(i) भारत की समेकित निधि से होने वाले खर्च के संदर्भ में भुगतान और लेखा अधिकारी की क्या-क्या ड्यूटियां हैं। (4 अंक)

(ii) स्थायी अग्रिम की मंजूरी की पड़ताल करते समय क्या-क्या जांच करनी चाहिए। (4 अक)

विभागीय स्थायीकरण परीक्षा

जुलाई, 2012

सार लेखन, मसौदा एवं व्याकरण

समय : 3 घंटे अधिकतम अंक : 100

टिप्पणी : इस प्रश्न पत्र में 2 पृष्ठ तथा 7 प्रश्न हैं।

प्रश्न सं0 1 निम्नलिखित गद्यांश का सार लिखिए और इसका एक उपर्युक्त शीर्षक दीजिए।

मानव जाति आज उसके पास पर्यावरण और विकास के क्षेत्रों में विकल्प चुनने के दो राहे पर खड़ी है। पर्यावरण क्षरण की समस्या आज विश्व के एक विशेष हिस्से या एक विशेष जाति से संबंधित नहीं है बल्कि यह सभी लोगों की परेशानी का कारण है। मनुष्य पर्यावरण की तेजी से बदतर होती स्थिति के लिए पूर्णत: जिम्मेदार है। पर्यावरणीय मुद्दे पर विश्व विभाजित है। औद्योगिकीकृत देशों ने उच्च जीवन स्तर प्राप्त करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों के अपने हिस्से से ज्यादा उपयोग किया है। लेकिन इसका परिणाम भूमि प्रदूषण और पर्यावरण क्षरण के रूप में हुआ है। मनुष्य की अपनी आवश्यकता से अधिक पाने की लालसा का बहुत ज्यादा विपरीत प्रभाव मुख्यत: मनुष्य के खुद के वातावरण पर पड़ा है।दूसरी ओर विकासशील देश आज भी जीवनयापन के न्यूनतम स्तर के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इस संघर्ष में पर्यावरण की बर्बादी में उनका भी योगदान रहा है। लेकिन उनके लिए अब विकसित देशों द्वारा की गई गलतियों को दोहराने का कोई मौका नहीं है क्योंकि विद्यमान पर्यावरण अपने पर मानव के सितम को और ज्यादा नहीं सह पाएगा।

पृथ्वी ग्रह में कुछ बदलाव आ रहे हैं जिसके दूरगामी भौतिक, रासायनिक,जैविक, सामाजिक और आर्थिक प्रभाव होंगे। प्राकृतिक संसाधनों का क्षरण अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच गया है। हमारे वन बंजर भूमि में तब्दील हो गए हैं। हमारे पशु चारागाहों के लिए तरसते हैं। जीवाश्म ईंधन समाप्त होने के कगार पर है। खनिज संसाधन तेजी से खत्म हो रहे हैं। तेजी से बढ़ती विश्व जनसंख्या, जिसने प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव बढ़ाया है, आग में घी डालने का काम कर रही है।

समय की मांग है कि संरक्षण के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। सतत विकास को सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांतों पर स्थापित करने की आवश्यकता है जिसमें पारिस्थितिक संतुलन, आर्थिक दक्षता, ऊर्जा सहित संसाधनों का संरक्षण, स्थानीय आत्म निर्भरता और सामाजिक न्याय सहित समानता शामिल है। संरक्षण के इन सर्वोत्तम सिद्धान्तों पर बने रहने के लिए पर्यावरण हितैषी संगत विज्ञान और प्रौद्योगिकी के व्यापक उपाय की अति आवश्यकता है। इस संबंध में राजनीतिक निर्णय तब तक प्रभावी नहीं हो सकते जब तक वैयक्तिक स्तर पर परिवर्तन न हो। वैयक्तिक परिवर्तन बहुत जरूरी है क्योंकि समाज या सरकार व्यक्ति का ही विस्तार हैं। अत: संसाधनों और पर्यावरण का संरक्षण वस्तुत: वैयक्तिक स्तर पर शुरू होना चाहिए। वैयक्तिक परिवर्तन की ओर पहला कदम जन्मदर के साथ सहसम्बद्ध है जिसमें प्रत्यक्ष रूप से शीघ्रातिशीघ्र गिरावट आनी चाहिए। इसके बाद ऊर्जा पद्धतियों को संबोधित किया जाना है। गैर-नवीकरणीय और प्रदूषण पैदा करने वाली ऊर्जा पद्धतियों का नवीकरणीय और प्रदूषण पैदा न करनी वाली प्रणालियों में बदलना आवश्यक है। इसके लिए गैर परंपरागत ऊर्जा पद्धतियों को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। समाज की अन्य पद्धतियों में संसाधनों का संरक्षण बेहतर तरीके से करने और सतत विकास के लिए संसाधन-सघन प्रौद्योगिकीयों से पर्यावरण हितैषी प्रौद्योगिकीयों में बदलने की आवश्यकता है। (466 शब्द)

(40 अंक)

प्र.सं.2 संयुक्त महालेखा नियंत्रक की ओर से सभी मुख्य लेखा नियंत्रकों/लेखा नियंत्रकों (स्वतंत्र प्रभार) को भेजे जाने वाले अर्ध-शासकीय पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए जिसमें, प्राप्ति और भुगतान नियमों में हाल में किए गए परिवर्तन की अनुपालन में 25000 रू से अधिक के सभी तृतीय पार्टी भुगतान GePG के माध्यम से करने का अनुरोध किया गया हो।

(20 अंक)

प्र.सं.3 निम्नलिखित मुहावरों/लोकोक्तियों में से **किन्हीं पांच** मुहावरों/लोकोक्तियों का अर्थ स्पष्ट करते हुए उनका वाक्यों में प्रयोग करें :-

(1) अपना उल्लू सीधा करना
(2) अपनी खिचड़ी अलग पकाना
(3) आटे-दाल का भाव मालूम होना
(4) आगा-पीछा करना
(5) फूला न समाना
(6) इमली के पात पर दंड पेलना
(7) ऊंट की चोरी और झुके-झुके

(10 अंक)

प्र.सं.4 निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखें:-

(1) दिन (2) नदी (3) तलवार (4) दुष्ट
(5) आम (6) अमृत (7) चोटी

(10 अंक)

प्र.सं.5 निम्नलिखित में से **किन्हीं पांच** के विपरीतार्थक शब्द लिखें:-

(1) अनाथ (2) अंतरंग (3) अनुग्रह (4) ऋजु
(5) इंसान (6) विरक्ति (7) अल्पायु

(5 अंक)

प्र.सं.6 निम्नलिखित शब्द समूहों में से **किन्हीं पांच** के स्थान पर एक-एक शब्द लिखें:-

(1) जिसकी अशुद्धियां ठीक कर दी गई हों
(2) जो स्वयं उत्पन्न हुआ हो
(3) मन को अत्यंत दु:खी करने वाला
(4) जिसका चरित्र अच्छा हो
(5) वह जो किसी सभा का सदस्य हो
(6) जो एक-सी दूरी पर बराबर चले
(7) दूसरों के काम में दखल देना

(5 अंक)

प्र.सं.7 निम्नलिखित अंग्रेजी शब्दों के हिन्दी पर्याय लिखें:-

(1) Ballot Officer (2) Analyst
(3) Embassy (4) Upto the mark
(5) Context (6) Disciplinary Action
(7) Ex Post-facto sanction (8) Jurisdiction
(9) Negligence (10) Foot note

(10 अंक)

विभागीय स्थायीकरण परीक्षा

फरवरी, 2013

सार लेखन, मसौदा एवं व्याकरण

समय: 3 घंटे अधिकतम अंक: 100

टिप्पणी: इस प्रश्न पत्र में **2** पृष्ठ तथा 7 प्रश्न हैं।

<u>प्रश्न सं-1</u> निम्नलिखित गद्यांश का सार लिखिए और इसका एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

स्त्री और पुरुष दोनों को मानव ताकत और कमजोरी सहित सम्पूर्ण मानव के रूप में चित्रित किया जाना चाहिए ना कि पुरुष और नारी के रूप में। महिलाओं और लड़कियों को पुरुषों और लड़कों के समान योग्यताएं, रूचियां और उद्देश्य रखने वालों के रूप में दिखाया जाना चाहिए। साहसी, पहल करने वाला और हठी जैसे विशिष्ट गुण जिनका गुणवान परंपरागत रूप से पुरुषों के लिए किया जाता था, उनका गुणगान महिलाओं के लिए भी किया जाना चाहिए। विनम्र, करूणा और संवेदनशील जैसे विशिष्ट गुण जिनका गुणगान महिलाओं के लिए होता था उनका गुणगान पुरुषों के लिए भी होना चाहिए।

पुरुषों और लड़कों के समान महिलाओं और लड़कियों का चित्रण स्वतंत्र, क्रियाशील, सशक्त, साहसी, सक्षम, निर्णायक, दृढ़, गंभीर सफल व्यक्ति के रूप में होना चाहिए। उन्हें तार्किक रूप से सोचने वाले, समस्याओं का समाधान करने वाले और निर्णय लेने वाले के रूप में दिखाना चाहिए। उन्हें रूचि रखने वाले और अपनी उपलब्धियों के लिए सार्वजनिक पहचान प्राप्त करने वाले के रूप में दिखाना चाहिए।

कभी-कभी पुरुषों को शान्त, निष्क्रिय, या भयभीत या अनिर्णायक, या अतार्किक अपरिपक्व दिखाना चाहिए। इसी प्रकार महिलाओं को कभी-कभी कठोर, आक्रामक और उत्कट दिखाना चाहिए। तार्किक, यथार्थवादी पुरुष और भावुक, आत्मनिष्ठ स्टीरियोटाइप महिलाओं से बचना चाहिए। विवरण देते समय पुरुष और लड़कों के समान ज्यादा चतुर, अधिक साहसी, ज्यादा सफल व्यक्ति के रूप में महिला या लड़की होनी चाहिए। उदाहरण देते समय ज्यादा लम्बा, ज्यादा सशक्त व्यक्ति हमेशा पुरुष नहीं होना चाहिए विशेषकर जबकि बच्चों का वर्णन हो रहा है।

महिलाओं और पुरुषों के साथ समान रूप से आदरपूर्वक, गरिमापूर्ण और गंभीरता से व्यवहार होना चाहिए। पाठ्य अथवा चित्रण में दोनों में से किसी को भी हल्का या स्टीरियोटाइप नहीं दिखाना चाहिए। जबकि पुरुषों का वर्णन मानसिक गुणों या पेशेवर स्थिति के आधार पर हो रहा हो तब महिलाओं का वर्णन शारीरिक गुणों के आधार पर नहीं करना चाहिए। जहां असंगत हो वहां पुरुष या महिला के रूप रंग, सौन्दर्यया अंतर्ज्ञान का हवाला देने से बचना चाहिए।

महिलाओं का वर्णन करते समय यौन वक्रोक्ति, व्यंग्य और श्लेष में बोलने की तरह संरक्षणवादी अथवा बालिका पर नजर रखने वाली प्रवृत्ति से बचना चाहिए। शारीरिक बनावट (बक्जम ब्लॉड) पर ध्यान केंद्रित करके, महिला विशेष लिंग बनावटों (कवयित्री, एविट्रिक्स, प्रवेशिका) का प्रयोग करके, महिलाओं को यौन वस्तु समझना या महिला विशेष को कमजोर, असहाय या उन्मत दिखाना, महिला को हँसी का पात्र या तिरस्कार की वस्तु बनाना और उनके मुद्दों को हास्यास्पद या महत्वहीन समझना जैसी प्रथा का उदाहरण देने से बचना चाहिए।

पुरुषों का वर्णन करते समय विशेषकर घर पर रहने वाले पुरुषों के संबंध में सामान्य अयोग्यता का हवाला देने से बचना चाहिए। पुरुष का चित्रण भरण पोषण के महिलाओं पर आश्रित होने या घर के रख-रखाव में अनाड़ी या स्वयं की देखरेख में मूर्ख होने के रूप में नहीं होना चाहिए।

इन चीजों से बचना चाहिए: ऐसा वर्णन जो पहनने और खाने के लिए पुरुष का महिला पर निर्भर होना, बीमारी के समय पुरुषों का स्वयं की देखभाल में अक्षम होना और पुरुषों को हँसी का पात्र (जोरू का गुलाम) होने पर जोर देता हो।

[40 अंक]

Contd....2/-

प्रश्न सं-2 अपने शहर में लापरवाह ड्राइविंग को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने हेतु पुलिस अधीक्षक (यातायात) को एक पत्र लिखिए।

[20अंक]

प्रश्न सं-3 निम्नलिखित मुहावरों/लोकोक्तियों में से किन्हीं पांच मुहावरों/लोकोक्तियों का अर्थ स्पष्ट करते हुए उनका वाक्यों में प्रयोग करें:- [10 अंक]

(i) अंग बनना (ii) अपना-सा मुँह लेकर रह जाना (iii) टेढ़ी खीर
(iv) आस्तीन का साँप (v) खुशामदी टट्टू (vi) उतर गई लोई तो क्या करेगा कोई
(vii) आधा तीतर आधा बटेर

प्रश्न सं-4 निम्नलिखित में से किन्हीं पांच के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखें:- [10 अंक]

(i) किरण (ii) अश्व (iii) केला (iv) दरिद्र
(v) दास (vi) नया (vii) चतुर

प्रश्न सं-5 निम्नलिखित में से किन्हीं पांच के विपरीतार्थक शब्द लिखें:-

[5 अंक]

(i) अकाल (ii) अवनि (iii) उद्यम (iv) उष्ण
(v) अपेक्षा (vi) अधम (vii) इतर

प्रश्न सं-6 निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं पांच शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए:- [5 अंक]

(i) प्रस्तुतिकरण (ii) कवियत्री (iii) प्रदर्शिनी (iv) वाल्मीक
(v) अध्यात्मिक (vi) सूचिपत्र (vii) सरोजनी

प्रश्न सं-7 निम्नलिखित अंग्रेजी शब्दों के हिन्दी पर्याय लिखें:- [10 अंक]

(i) Interpreter (ii) Officer Incharge (iii) Duly Filled (iv) On Probation

(v) Status quo (vi) Bureaucracy (vii) Ordinance (viii) Proceeding

(ix) Precautionary Measure (x) Honorary

विभागीय स्थायीकरण परीक्षा

फरवरी, 2013

लेखा कार्यविधि (पुस्तकों के साथ)

समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 100**

अनुमत पुस्तक : सिविल लेखा नियम पुस्तिका

नोट : 1. इस प्रश्नं पत्र में दो पृष्ठ और आठ प्रश्न हैं ।

2. प्रश्न संख्या 1 का उत्तर देना अनिवार्य है तथा शेष प्रश्नों में से किन्हीं 5 प्रश्नों के उत्तर दें ।

3. अपने उत्तर के समर्थन में नियमों का उल्लेख कीजिए ।

प्रश्न सं.1 (क) बताएं कि निम्नलिखित कथन सही हैं या गलत । अपने उत्तरों के समर्थन में प्रमाण का उल्लेख करें ।

(i) महालेखा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय के पूर्व अनुमोदन के बिना नया भुगतान और लेखा कार्यालय सृजित किया जा सकता है ।

(ii) दीर्घकालिक कर्जों एवं अग्रिमों का भुगतान चेक आहरण एवं संवितरण अधिकारी द्वारा किया जा सकता है ।

(iii) केंद्रीय लेनदेन का विवरण लघु शीर्ष स्तर तक प्रधान लेखा कार्यालय द्वारा तैयार किया जा सकता है ।

(iv) आकस्मिक (व्यय) बिल के साथ संलग्न उप-वाउचर आहरण अधिकारी द्वारा रद्द किया जा सकता है ।

(v) मंत्रालय/विभाग का सचिव मुख्य लेखा प्राधिकारी होता है ।

(vi) सभी जर्नल प्रविष्टियां लेखा संगठन शीर्ष द्वारा हस्ताक्षरित होनी चाहिए ।

(vii) भुगतान एवं लेखा अधिकारी/चेक आहरण करने वाला आहरण एवं संवितरण अधिकारी समय बाधित चेक को पुनः वैध कर सकता है ।

(viii) एक ही सरकार का कोई मंत्रालय/विभाग दूसरे मंत्रालय/विभाग को सहायता अनुदान दे सकता है ।

(ix) अल्पकालिक कर्जों एवं अग्रिमों के भुगतान को भुगतान एवं लेखा अधिकारी द्वारा आपत्ति पुस्तिका अथवा अन्य रिकार्ड/रजिस्टर में नोट किया जाना आवश्यक होता है ।

(x) सहायक लेखा अधिकारी अंशदाताओं को सामान्य/अंशदायी भविष्य निधि का वार्षिक लेखा विवरण जारी करने के लिए सक्षम है । **(10 x 2= 20 अंक)**

Contd.....2/-

प्रश्न सं. 2 (क) सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम में प्रतिनियुक्ति पर गए केंद्र सरकार के किसी कर्मचारी के स्थायी आमेलन होने पर उसके छुट्टी वेतन और पेंशन अंशदान का निपटान किए जाने की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए । **(10 अंक)**

(ख) आहरण एवं संवितरण अधिकारी द्वारा प्रस्तुत किए गए बिना पास हुए बिल को वापस करने की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए । **(6 अंक)**

प्रश्न सं.3 (क) सामान्य भविष्य निधि लेखा के हिसाब रखने की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए । **(10 अंक)**

(ख) लुप्त जमा/नामे रजिस्टर पर टिप्पणी कीजिए । **(6 अंक)**

प्रश्न सं. 4 (क) अंतरण प्रविष्टि बनाने की परिस्थितियों का वर्णन कीजिए । **(8 अंक)**

(ख) जमा राशियों का सारांश को परिभाषित कीजिए । **(8 अंक)**

प्रश्न सं. 5 (क) चेक की विभिन्न श्रेणियों का वर्णन कीजिए । **(8 अंक)**

(ख) चेक की प्रत्येक श्रेणी के उपयोग का वर्णन कीजिए । **(10 अंक)**

प्रश्न सं. 6 (क) आकस्मिक व्यय की विभिन्न श्रेणियों का वर्णन कीजिए । **(8 अंक)**

(ख) विदेश से प्राप्त सहायता सामग्रियों एवं उपस्करों को लेखे में कैसे वर्गीकृत किया जाएगा । **(8 अंक)**

प्रश्न सं. 7 (क) विभागीकृत लेखा संगठनों पर व्यय को वर्गीकृत करने के लिए अपनाए जाने वाले सिद्धांत क्या हैं ? **(8 अंक)**

(ख) खो गए चेक बदले में नया चेक जारी किए जाने की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए । **(8 अंक)**

प्रश्न सं. 8 निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :-

(क) पेंशन संवितरण की रीति और पेंशन भुगतान आदेशों का प्रेषण । **(10 अंक)**

(ख) समेकित सार **(6 अंक)**